SHRI I.K. GUJRAL : I have seen Press reports. But those are not confirmed yet.

SHRI ANAND SHARMA : Sir, it is very clear from the hon. Minister's answer that some contacts have been made by Pakistan with Iran and a nexus is developing, which is working against India. Pakistan has been using every possible opportunity to polarise the Islamic countries against India, for diplomatic onslaught against this country as well as for future defence pacts. According to information, a number of special envoys of the Pakistan Government are touring the Islamic countries, creating a misunderstanding about India and enlisting their support against us.

I would like to know whether the Government of India have, so far, taken any effective steps to counter this diplomatic exercise by Pakistan and to prevent and preempt the polarisation of the Islamic world against India, be it on defence considerations, or on the Kashmir issue.

SHRI I.K. GUJRAL : Sir, this is a fact that Pakistan has been sending envoys, trying to create misunderstanding on the issue of religion, but it is a fortunate fact and if I may claim a sort of credit to our side, that the entire Islamic world barring one or two countries have not agreed with Pakistan's perceptions that this is a religious issue.

SHRI VITHALBHAI M. PATEL : Mr. Chairman, Sir, yesterday on national T.V. network a film of Pakistan Prime Minister Benazir's success was shown. What was the aim of the Government to show Ms. Benazir Bhutto's achievements on television? Will it sober down the relations by showing such a film on T.V. ? (*Interruptions*).

SHRI P. UPENDRA : He has referred to T.V. with your permission, Sir, I will answer that question on behalf of my colleague.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : There is something called collective responsibility. When we put the question, the Minister concerned gives the reply and now he says that he wants to reply.. (*Interruptions*).

SHRI I.K. GUJRAL : If my hon. friend wants me to tell him about the film which unfortunately I have not seen, he will have to give me a notice for that.

SHRI P. UPENDRA : Sir, let me reply. It relates to a film shown on television.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : We will not mind Mr. Upendra replying. (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN : Next Question.

*227. [*The questioner (Shri V. Narayanasamy) was absent. For answer vide col.....38....infra.*]

जम्मू और कश्मीर के मामलों के प्रभारी मंत्री की सहायता के लिए समिति

*228. श्री राम लखेश्वर दास : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जम्मू और कश्मीर के मामलों के मंत्री की सहायता के लिए कोई समिति गठित की गई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त समिति में, कश्मीर घाटी में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है ;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार अल्पसंख्यकों के मन में विश्वास पैदा करने के लिए घाटी में प्रतिनिधियों को उस समिति में शामिल करने का विचार रखती है ?

गृह मंत्री (श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद) : (क) से (घ) केन्द्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों के जम्मू और कश्मीर राज्य से संबंधित मामलों की सभी कार्रवाईयों को समन्वित करने के लिए नियुक्त मंत्री की सहायता के लिए एक परामर्शदात्री समिति कार्य कर रही है । इस समिति में राष्ट्रीय मोर्चे, कांग्रेस-आई, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और नेशनल कांफ्रेंस के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं । इस समिति की संरचना प्रधान मंत्री द्वारा मार्च, 1990 के प्रारम्भ में बुलाई गयी बैठकों में इन पार्टियों द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार है ।

श्री राम नरेश यादव : सभापति जी, इस उत्तर से एक बात स्पष्ट हो रही है कि यह सरकार सारे मामलों में कमेटी के आधार पर ही चल रही है और अगर यह कहा जाए कि कमेटी की ही सरकार है, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी । जो प्रश्न मैंने भी किया था , उस प्रश्न का भी जिस तरह से उत्तर देना चाहिए - माननीय गृह मंत्री जी ने उसका उत्तर सही ढंग से जिसको कहना चाहिए, नहीं दिया, इवेसिव आंसेर दिया है और जब मैं यह कहता हूं, तो उसका मतलब यह है कि इस सरकार ने 15-15 कमेटियां बना डाली हैं ।

इस सिलसिले में भी जब कि गृह मंत्री जी स्वयं मौजूद हैं, उनका भी काम होता है कोआर्डिनेट करने का, लेकिन एक कमेटी के जरिए और भी बना करके कोआर्डिनेशन के नाम पर वहां की स्थिति और गंभीर बनाने की कोशिश और साजिश यह सरकार कर रही है ।

मैं यह जानना चाहता हूं -मैंने प्रश्न किया था कि क्या उप-समिति में कश्मीर घाटी के अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है ।

यदि नहीं, तो उस के क्या कारण हैं?

क्या सरकार अल्प-संख्यकों के मन में विश्वास पैदा करने के लिए घाटी के प्रतिनिधियों को उप-समिति में शामिल करने का विचार रखती है ?

इन तीनों प्रश्नों के संबंध में माननीय मंत्री जी ने न तो हां में उत्तर दिया, न तो नहीं में, कोई उत्तर है ही नहीं इसका । इसलिए यह बात स्पष्ट हो रही है कि सचमुच माननीय मंत्री जी ने जो प्रश्न था, उसका उत्तर छिपाने की कोशिश की है । मेरा फिर इस समय स्पष्ट रूप से माननीय मंत्री जी से यह आग्रह है कि कृपया इन तीनों प्रश्नों के बारे में बतायें कि क्या सही है कि नहीं है, उसका उत्तर मैं जानना चाहता हूं ?

श्री सभापति : वे तीन क्या हैं ?

श्री राम नरेश यादव : काश्मीर घाटी के मामलों की समिति में क्या अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है ? यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ? क्या सरकार अल्पसंख्यकों के मन में विश्वास पैदा करने के लिए प्रतिनिधियों को समिति में शामिल करने का विचार रखती है ? इन तीनों के बारे में इसमें कोई उत्तर है ही नहीं, इसलिए मैं यह जानना चाहता हूं। इस संबंध में जो उत्तर है, वह सदन को बताया जाय ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद: सर, यह जो 5 मेंम्बरों की कमेटी बनायी गयी है, उसमें यहां की आल पार्टीज की तरफ से रिप्रेजेंटेटिव्स आ गए। हर पार्टी का एक रिप्रेजेंटेटिव आ गया है । इनका सजेशन यह है कि काश्मीर की जो मायनोरिटीज हैं, उनका नुमांइदा इसमें होना चाहिए । हमने पार्टीज के नुमांइदे लिए हैं। मैं आनरेबल मेंबर को यकीन दिलाना चाहता हूं कि इस बात पर मैं गौर करूंगा कि काश्मीर की मायनोरिटीज का एक मेंबर इसमें होना चाहिए ।

श्री राम नरेश यादव : महोदय, चूंकि वहां की स्थिति ऐसी है कि लोग भाग रहे हैं । वहां रहने की किसी की कोई इच्छा नहीं रह गयी है । सभी लोग भय और आतंक के वातावरण में जी रहे हैं। जब ऐसी स्थिति हो और लोग वहां से भाग कर शरणार्थियों के रुप में पूरे देश के अंदर फैल रहे हों तो वहां जो स्थिति पैदा हो रही है कि लोग वहां से पलायन

कर रहे हैं, इस समस्या को सुलझाने के लिए ताकि इस बात पर अंकुश लग सके, समिति ने क्या कोई कदम उठाने का निणय लिया है ? अगर लिया है तो वह क्या है ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद सर, : इस कमेटी के बनने के बाद पहला काम उन्होंने यही किया कि यहां दिल्ली में जो कुछ लोग वहां से आए हैं, वहां कैम्प में गए और उनके रिहैबिलिटेशन का इंतजाम देखा । दूसरे, कमेटी के लोग जम्मू गए । वहां कैम्प में जो रहते हैं, गवर्नर साहब से बात करके, उनकी मदद वगैरा का इंतजाम किया । तो दोनों बातों की तरफ कमेटी ने तवज्जो दी है ।

MR. CHAIRMAN : Question No. 229. Absent.

*229. [*The questioners (Shri Ashwani Kumar and Shri Pramod Mahajan) were absent. For answer* vide *col. 39* infra.].

Project for Telecommunication Factory in West Bengal

*230. **Shri Kamal Morarka :** Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether any project has been cleared for the setting up of a telecommunication factory in West Bengal ; and

(b) if so, the salient features of the project including capacity, project outlay, details of implementation schedule, etc. ?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINSTERY OF COMMIUNICATIONS SHRI K. P. UNNIKRISHNAN : (a) No Sir, but a proposal to set up a large size Electronic Switching factory is under discussion between Government of India and Government of West Bengal. This offer was made by the Ministry during my visit to Calcutta in February 1990.

(b) The details are being worked out.

SHRI KAMAL MORARKA : Sir, I want to know from the hon. Minister whether there is an overall plan for putting up telecommunication units in different parts of the country. And in view of the regional disparities that we have been experiencing in the last ten years—especially, I may be permitted to say that in States like West Bengal, all projects, as a rul , have been deferred, postponed or finances have not been arranged ; Bakreshwar is a historical example, but that concerns another Ministry—I want to know from the Minister of Communications how soon the decision will be taken on this and what would be the likely size of this project. Since the Minister has offered it, could he give us some salient features of that project ? He has said, "details are being worked out". That is too vague. Could he give us a little idea about it ?

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN : I am grateful to the hon. Member for supporting the cause of the down-trodden States, particularly in view of the regional disparities.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV : Sir, what is a "down trodden" State ? We have heard of down trodden people.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN : That is in the context of regional imbalances. I thought you will understand it. What can I say ?

MR. CHAIRMAN : But you have said "down trodden State". Is West Bengal one ?

SHRI K.P. UNNIKRISHNAN : In the context of regional disparities. Mr. Suresh Kalmadi's Maharashtra is far ahead. There are States like Bihar . . .

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : "सोनार बंगला" को डाउन ट्रोडन बना दिया आपने . . . (व्यवधान)